भारत सरकार

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 2043

उत्तर देने की तारीख : 11.02.2026

देश में भाषाई अल्पसंख्यक

2043. डॉ. थोल तिरूमावलवन:

क्या **अल्पसंख्यक कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) स्वतंत्रता के समय देश में कितने भाषाई अल्पसंख्यक रह रहे थे; और

(ख) आज की तिथि के अनुसार, देश में कितने भाषाई अल्पसंख्यक हैं?

उत्तर

अल्पसंख्यक कार्य मंत्री

(श्री किरेन रीजीजू)

(क) और (ख): 'भाषाई अल्पसंख्यक' शब्द को न तो संविधान में और न ही किसी विधि द्वारा परिभाषित किया गया है। भाषाई अल्पसंख्यकों की पहचान राज्य, राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र द्वारा जनगणना के आंकड़ों के आधार पर की जाती है।

भाषाई अल्पसंख्यकों की अवधारणा वर्ष 1956 की राज्य पुनर्गठन आयोग रिपोर्ट की सिफारिशों के आधार पर भाषाई राज्यों के गठन के परिणामस्वरूप अस्तित्व में आई।

भाषाई अल्पसंख्यक आयुक्त द्वारा अपनाई जाने वाली परिभाषा इस प्रकार है: "भाषाई अल्पसंख्यक, भारतीय भूक्षेत्र या उसके किसी भी भाग में रहने वाले व्यक्तियों का समूह या समष्टि है, जिनकी अपनी एक अलग भाषा या लिपि है। आवश्यक नहीं कि अल्पसंख्यक समूह की भाषा, संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लिखित बाईस भाषाओं में से एक हो। दूसरे शब्दों में, राज्य स्तर पर भाषाई अल्पसंख्यकों का आशय उन लोगों के समूह या समूहों से है जिनकी मातृभाषा राज्य की प्रमुख भाषा से अलग है, तथा जिला और तालुका/तहसील स्तरों पर, संबंधित जिले या तालुका/तहसील की प्रमुख भाषा से अलग है।"

जनगणना 2011 के अनुसार भाषा से संबंधित आंकड़े सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध हैं, जो भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अंतर्गत भारत के महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त, कार्यालय की वेबसाइट censusindia.gov.in पर उपलब्ध हैं।

*****